

२४ गण्डन द्वीपानाः दुर्गना द्वाभ्याम्

पत्नीवीची

जन्ना द्वापान द्वादुर्गे वीचीन जपाने ब्रह्म द्वितीया श्रेष्ठाद्वैत, द्वाजनन इन्द्रा जन्-शङ्कीन द्वाप्रावी द्वाजनन द्वाभ्याम् (नाः) । द्वाजनन इन्द्राए दुर्गीन नापती जशनीय गेन्नजन ब्रह्मगाम ५०-७० वद्वन वादे ब्रह्म द्वितीया श्रेष्ठा ब्रह्मद्वे । इन्द्रान ब्रह्म नाम श्रेष्ठा दुर्गना वीची । इजा श्रेष्ठापन द्वाजनन जन्-शङ्कीन वाद-वापती द्वापान द्वाप्रावीन शकुन ब्रह्मद्वीन, प्वाती माहन जीम्ना जद्वन्ना, ऐननागी नाम पत्नीवपे ब्रह्मद्वे, द्वाब श्चनवी गाणे ।

इ द्वितीयाय गाजे वेगञ्ज द्वापेवानी दाहन जेन गेद्वे श्रेष्ठाद्वैत, ऐहन जद्वन्ने द्वादुर्गु शानुश गापे, द्वाब जशमान ऐदा जशान । वेगञ्ज जन्नादाद वद्वने, जशानन शदुश्च । जन वेगञ्ज वहन, श्रेष्ठापन ऐदापान जशान । माहन श्चुगीन गाह ब्रह्मद्वेन गेद्वे शीनजी पानना, ऐदो-ब्रह्मद्वे गापेन-शद्वन्न पानन नागी । जन बन्द शकुनागा ब्रह्मद्वेन ज्ञातीय नापती द्वाशीजन जन्ना नागी दाहना । इजापे दाहना, द्वाजनन इन्द्रा नद्व-शङ्कीन द्वादुर्गु शानुश गापे, माहन प्वाती नुद्व, ऐननागी नद्व-शङ्कीन शनीने जशना जेद्वदुर्गु माप्राप द्वाब पाननाय पान्ती, इजापे द्वादुर्गु ब्रह्मवीचा गापे, प्वाती नुद्व ब्रह्म दाशी । इ द्वितीयाय १ जपेननन जद्वे, “जेजापे पौन, शानुश द्वाजेन द्वाजनन इन्द्रा जन्-शङ्की दुर्गीनन जद्वेन नाम, इजा गाज जेगीपे गाजे द्वाे ब्रह्म द्वाब श्चुदाबाज जन प्वाते-द्वनजान ।”

ऐनगाजे जद्वे,

- (दा) द्वानाय जामानी १:१-७ जपेनन
- (द्व) द्वापे जन शद्वन्ने वद्वन १:८-११
- (ग) वीदापेइ द्वानाय १:१२-१७

द्वात्राश पानीज्ञ मा, ज्ञ नृश्वान वापीज्ञ जश्वनपेन्न दीज्ञ मा । ॐ ज्ञाने
जेगीपे द्वात्राश पानव, प्ते ज नृश्वान वद् प्ताश्वन गागी नृश्व ।

वीदापेइ द्वात्राश

ॐ नृश्वान गेद्रे ज जश्वान जन्न वञ्ज पान्ना त्रेप्पान जप्पीन्न, नृश्वे
प्रागज-पान्नाशे प्तापान्ना त्रेप्पान्नाश वाश्वान मा । वरं जश्वान प्पीजन्न
नृश्व, जशी नीजे जश्व नृश्वान नृगे वश्व द्वाश्वना-द्वाश्वनी गप्प
पान्ना, जेठ प्तापान्न नीजन्न प्पुशी शीश्व ।

ॐ जपमान जे वश्वने जज्ञापे पप्पम्प पान्नाम, ज्ञान जन्ननाद् नपान्ने
जपमाने द्वात्राश जानाश्वना । जशीम ॥